Silver Grove School

Sample Paper Set A (2025-26)
CLASS- IX-A
SUBJECT: HINDI

TIME: 3 Hrs. **M.M. 80**

निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं 'क' और 'ख'।

2. खंड 'क' के सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

3. खंड 'ख' से कोई भी चार प्रश्न करने अनिवार्य हैं, जिनमें दो प्रश्न पाठ्यपुस्तक से होंगे तथा अन्य दो किसी अन्य पुस्तक से होंगे।

खंड 'क' [40 अंक]

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए **15**

(1) जीवन में योग का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए वर्णन करें कि योग आधुनिक तनावग्रस्त जीवन के लिए एक सही विकल्प है। योग से होने वाले लाभों का भी वर्णन करें।

(ii) विद्यार्थी जीवन में समय का महत्त्व सर्वाधिक है। समय नियोजन विद्यार्थी जीवन की सफलता की कुंजी है। आज का काम कल करने से अच्छा कल का काम आज करना है। इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

(iii) "ऊँचे लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अभिभावक एवं अध्यापक बच्चों पर दबाव डालते हैं।" आप इस विषय में क्या सोचते हैं? अपने विचार पक्ष या विपक्ष में प्रस्तुत करें।

(iv) इस सृष्टि के संचालक परमपिता परमात्मा सर्वोच्च हैं। उनकी कृपा सर्वोपरि है। इस संदर्भ में "जाको राखे साइयाँ, मार सके न कोय" उक्ति को आधार बनाते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए pऔर चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए **7**

(1) पर्वतीय क्षेत्र की प्राकृतिक सुषमा एवं शोभा निराली होती है। आप पिछले दिनों अपने मित्रों के साथ किसी पर्वतीय क्षेत्र की यात्रा के लिए गए थे। वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए।

(ii) अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उनसे छात्रवृत्ति प्रदान करने की प्रार्थना कीजिए। पत्र यह भी स्पष्ट कीजिए कि आपको छात्रवृत्ति की आवश्यकता क्यों है?

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए ।

बालक के विकास को माता-पिता के बाद विद्यालय का शिक्षक सबसे अधिक प्रभावित करता है। बालक घर का आँगन लाँघने के बाद विद्यालय पहुँचता है, जहाँ अभिभावक की भूमिका में उसका शिक्षक होता है। बालक को स्नेह, प्रेम, सहानुभूति

आदि की आवश्यकता होती है। बालक के मनोभावों को समझने की आवश्यकता होती है और इस भूमिका को शिक्षक अच्छी तरह से निभाता है। मांटेसरी कहती थीं कि "शिक्षक को बाल मनोविज्ञान का ज्ञान होना चाहिए, जिससे बालक को समझने में वह गलती न करे।" शिक्षक अभिभावकों की कमी को पूरा करते हैं, उन्हें स्नेह एवं प्रेम के माध्यम से ज्ञान देते हैं। शिक्षक का कार्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना ही नहीं है, वरन् बालक का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक आदि क्षेत्रों में अधिकाधिक विकास करना है। शिक्षक प्रेरणा देने का, रुचियों के विकास का, अच्छे चरित्र और नैतिकता का, अच्छी आदतों का तथा समग्र व्यक्तित्व के विकास का कार्य करता है। वह बालक को नवीन एवं अद्भुत संसार से परिचित कराता है तथा उस संसार में रहने के लिए उसमें विभिन्न कौशलों का विकास करता है। शिक्षक बालक के विकास की सबसे महत्त्वपूर्ण कड़ी है। कहा जाता है कि जिसे अच्छा शिक्षक मिल जाता है, उसे आत्मसाक्षात्कार करने का अवसर मिल जाता है। श्री रामकृष्ण परमहंस से मिलकर विवेकानंद को ज्ञान हुआ, स्वामी विरजानंद से मिलकर दयानंद सरस्वती को ज्ञान हुआ। वास्तव में, इतिहास के गर्भ में अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जो प्रमाणित करते हैं कि व्यक्ति के सृजन के पीछे किसी गुरु (शिक्षक) का हाथ था। अच्छा शिक्षक अंतःतम में छिपी शक्तियों को जाग्रत करता है। असफलताओं पर उसे निरुत्साहित नहीं करता, वरन् उनमें पुनः नई शक्ति का संचार करता है। अपने शिष्यों को आशावादी दृष्टि से देखता है तथा उनमें सकारात्मक सोच उत्पन्न करता है। शिक्षक लक्ष्य की प्राप्ति के प्रति विश्वास और संकल्प उत्पन्न करने का कार्य करता है। शिक्षक बिना किसी बाह्य अनुशासन (दंड) के छात्रों में आंतरिक अनुशासन की भावना उत्पन्न करने का कार्य करता है। इसके लिए शिक्षक में आत्मसंयम, आत्मविश्वास, आत्मज्ञान, विषयज्ञान तथा उच्चादर्श की आवश्यकता होती है। बालक दीपक की भाँति है, जिसमें तेल तो परिवार से भर जाता है, लेकिन उसे प्रज्ज्वलित करने का कार्य शिक्षक ही कर सकता है। टैगोर कहते हैं-"जिसमें स्वयं का प्रकाश होता है, वही दीपक को जला सकता है तथा तिमिर को दूर कर सकता है।" शिक्षक की भूमिका एक कलाकार की तरह होती है, जो अपनी वस्तु (छात्र) को तराशने का कार्य करता है। कठोर व्यवहार से शिक्षक यह कार्य नहीं कर पाता है। इसके लिए उदार व्यवहार की आवश्यकता होती है। फ्रोबेल ने तो शिक्षक को एक माली के रूप में चित्रित किया है, जो पौधरूपी बालक के स्वाभाविक विकास में सहायक की भूमिका निभाता है। **10**

(i) किसी बालक की विकास प्रक्रिया में शिक्षक की क्या भूमिका होती है?

(ii) "जिसमें स्वयं का प्रकाश होता है, वही दीपक को जला सकता है तथा तिमिर को दूर कर सकता है।" इस कथन में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(iii) अच्छे शिक्षक के क्या-क्या गुण बताए गए हैं?

(iv) प्रस्तुत गद्यांश का मूल भाव स्पष्ट करते हुए उपयुक्त शीर्षक बताइए।

(v) "शिक्षक की भूमिका एक कलाकार की तरह होती है" कैसे? स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए **8**

(i) निम्न शब्दों से विशेषण बनाइए

समय, शास्त्र

(ii) निम्न शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए

मार्ग, गंगा

(iii) निम्न शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए

शांत, आदान, खंडन, इच्छा

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए

लाल-पीला होना, होश उड़ जाना

(U) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए

(क) जयपुर में अनेक देखने योग्य स्थल है (रेखांकित शब्दांश के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य को पुनः लिखें)

(ख) वह मेरा बात नहीं मानता। (वाक्य शुद्ध कीजिए

(ग) नर्स ने रोगी को दवा पिलाई (कर्म वाच्य में बदलिए)

(घ) अब बच्चे घर पहुँचे। (वचन बदलिए)

खंड 'ख' [40 अंक] कोई चार प्रश्न

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ

5. नेता जी का चश्मा नामक पाठ के शीर्षक कि सार्थकता बताते हुए कहानी का उद्देश्य सपष्ट कीजिये 10

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए

सुनकर पहले तो सेठ बहुत दुःखी हुए, पर बाद में अपनी तंगी का विचार कर एक यज्ञ बेचने के लिए तैयार हो गए। सेठ के यहाँ से दस-बारह कोस की दूरी पर कुंदनपुर नाम का एक नगर था, जिसमें एक बहुत बड़े सेठ रहते थे। लोग उन्हें 'धन्ना सेठ' कहते थे। यह अफवाह थी कि उनकी सेठानी को कोई दैवीय शक्ति प्राप्त है, जिससे वह तीनों लोकों की बात जान लेती हैं।

(1) यज्ञ के पुण्य को बेचने का निर्णय किसने व क्यों लिया? 2

(2) सेठ' के नाम से कौन प्रसिद्ध थे एवं क्यों? 2

(3) 'धन्ना सेठ की पत्नी के बारे में क्या अफवाह फैली हुई थी? 3

(4) सेठ की चारित्रिक विशेषताएँ उल्लेखित कीजिये । 3

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए ।

मैं असमंजस में रहा। तब वह प्रेत गति से एक ओर बढ़ा और कुहरे में जाकर मिल गया। हम भी होटल की ओर बढ़े।

(i) लेखक के मित्र ने वकील साहब को क्या बताया था और उस पर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी? 2

(ii) लेखक का मित्र असमंजस की स्थिति में क्यों था? प्रस्तुत कथन में 'मैं' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है? 2

(iii) लेखक ने 'वह' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया है एवं उसने क्यों कहा कि "तब वह प्रेत गति से एक ओर बढ़ा और कुहरे में जाकर मिल गया"? स्पष्ट कीजिए। 3

(iv) लेखक के मित्र का संक्षिप्त परिचयदीजिए। 3

साहित्य सागर-पद्य भाग

8. पाहून ज्यो आये हो गाँव में शहर के पंक्ति के भाव सौन्दर्य को स्पस्ट करते हुए बताईये कि ग्रामीण संस्कृति में पाहून का महत्व क्या है? मेघो को मेहमान क्यों कहा गया है? 10

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए

न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव-मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शान्ति कहाँ इस भव को ?

(i) कवि ने बाधाओं की तुलना किससे की है? 2

(ii) "न्यायोचित सुख सुलभ नहीं" से क्या तात्पर्य है? 2

(ii) मनुष्य के विकास में न्याय के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। 3

(iv) "चैन कहाँ धरती पर तब तक, शान्ति कहाँ इस भव को?" प्रस्तुत पंक्ति से क्या अभिप्राय है? - 3

10. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए

झरने अनेक झरते, जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं, कोयल पुकारती है।
बहती मलय पवन है, तन-मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

(1) कवि बहते झरने व चिड़ियों के माध्यम से किसके सौंदर्य का बखान करना चाहता है? 2

(ii) किसकी सुगंध तन-मन को प्रसन्नता से भर देती है? 2

(iii) कवि ने अपनी मातृभूमि की प्रशंसा करने के लिए किन-किन प्राकृतिक तत्त्वों का प्रयोग किया है? स्पष्ट कीजिए। 3

(iv) कवि अपनी मातृभूमि को क्या-क्या कहता है? स्पष्ट कीजिए।